जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 285 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 8 मई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

द हिन्दु अखबार के ट्वीट ने पाकिस्तान को मौका दे दिया अपना ''प्रपोगैण्डा'' फैलाने का

अखबार ने, जानकार सूत्रों का हवाला देकर ट्वीट किया कि भारत के तीन विमान मार गिराये गये हैं

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 7 मई। आज दिन भर एक ही सवाल चर्चित रहा कि भारत ने पाकिस्तान के इस प्रचार पर कोई अधिकृत बयान क्यों जारी नहीं किया उसने भारत के 6 वायुयान मार गिराए इनमें 5 विमान थे और एक अनमैन्ड एयर वीकल (यूएवी) था।

पाकिस्तान के सोशल मीडिया हैंडल और टीवी चैनलों के अनुसार भारत के तीन राफेल, एक एस यू 30, एक मिग 29 और एक हैरॉन यूएवी को पाकिस्तान सेना ने भारत के पाकिस्तानी पंजाब व पाक अधिकृत कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर किए गए हमले के जवाब में मार गिराया।

तथ्य यह है कि सुबह जब भारत द्वारा एयर स्ट्राइक की ब्रीफिंग की गई तो इसमें इसका कोई उल्लेख नहीं किया था। इस बात ने पाकिस्तान को अपना कथानक आगे बढ़ाने की खुली छूट दे दी कि उन्होंने भारत के जैट्स एवं यूएवी को नष्ट कर दिया है। भारत की चुप्पी ने उन्हें यह दावा करने का मौका दिया कि आधा घंटे के आकाशीय युद्ध में उन्होंने भारत को मात दे दी है। पी आई बी की फैक्ट चैकिंग युनिट इन दोवों को झुठलाने के लिए ट्वीट किए। पर इसका खास प्रभाव नहीं हुआ।

- हालांकि, अखबार ने एक घण्टे में ही इस ट्वीट को रद्द कर दिया, यह कहकर कि, अधिकारिक सूत्रों से यह साबित नहीं हो रहा है, कि भारत के विमान मार गिराये गये हैं।
- पर इस ट्वीट के स्क्रीन-शॉट, पाकिस्तान में बहुत वायरल हुए, तथा पाकिस्तान की सरकार को मौका मिल गया अपनी जनता के समक्ष जताने का, कि, पाकिस्तान ने बहुत मजबूती से माकूल जवाब दिया है, भारत के ''आक्रमण'' का।
- पर, पाकिस्तान के सूचना प्रसारण मंत्री की, स्काई न्यूज़ की रिपोर्टर याल्दा हकीम के समक्ष काफी अटपटी स्थिति रही, पाकिस्तान रक्षा मंत्री के उस बयान के कारण, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया था, कि, दो दशक से पाकिस्तान आतंकवादियों को संरक्षण व प्रश्रय दे रहा है। याल्दा हकीम बार-बार, यह पूछती रहीं कि अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को प्रश्रय दे रहा है, तो क्या भारत का अधिकार नहीं बनता, कि वह इन आतंकवादियों के खिलाफ सैन्य कार्यवाही करे।

इस सूचना पर गलत सूचना की जड में एक ट्वीट था जिसमें हिंदू ने जानकार सूत्रों के हवाले से कहा कि भारत के तीन विमान गिराए जा चुके हैं। घंटे भर बाद अखबार ने ट्वीट हटा दिया और कहा कि सरकारी सूत्रों से खबर की पुष्टि नहीं हुई जानिए ट्वीट हटा लिया गया। लेकिन तब तक ट्वीट का स्क्रीन शॉट पाकिस्तान के मीडिया में प्रसारित हो चुका था और बाद में पाकिस्तान के इंटर सर्विसेज़ पब्लिकरिलेशन (आईएसपीआर) ने इसे बढ़ा चढ़ा दिया और विमानों की संख्या 6 कर दी। पाकिस्तान के पत्रकारों, जिसमें हामिद मोर भी शामिल थे, ने हिंदू के ट्वीट का हवाला दिया और पूछा इसे क्यों हटाया गया और किसके निर्देशों पर।

इस अस्पष्टता ने पाकिस्तान की सरकार को अपने नागरिकों को यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ई-सिगरेट की बिक्री रोकने के लिए प्रभावी तंत्र बने

जयपुर, 7 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि ई-सिगरेट की ऑनलाइन बिक्री पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि युवाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली ई-सिगरेट की ऑनलाइन बिक्री नहीं हो। इसके साथ ही, अदालत ने डीजीपी को 7 जुलाई तक शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि ई-सिगरेट की बिक्री को रोकने के लिए क्या प्रभावी तंत्र स्थापित किया गया है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश

- हाईकोर्ट ने डी जी पी को शपथ पत्र के द्वारा 7 जुलाई तक जवाब देने को कहा।

राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश प्रियांशा गुप्ता की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पुलिस मुख्यालय के प्रभारी अधिकारी को भी आगामी सुनवाई पर व्यक्तिशः या वीसी के जरिए पेश होने को कहा है।

अदालत ने कहा कि हमने गत सुनवाई पर पुलिस मुख्यालय के केस से जुड़े प्रभारी अधिकारी का शपथ पत्र मांगा था, लेकिन उनके स्थान पर पुलिस कमिश्नरेट के एक अधिकारी का हलफनामा पेश हुआ है। ऐसे में यह अदालत के निर्देशानुसार सही नहीं है और अपने आप में गंभीर बात है। इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, साथ ही डीजीपी को भी व्यक्तिगत रूप से बुलाया जा सकता है। अदालत ने कहा कि सरकार के जवाब से पता चलता है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत के विदेश सचिव ने साजिद मीर का किस्सा याद दिलाया प्रेस कांफ्रेंस में

साजिद मीर 26/11 के मुंबई पर हुए आतंकवादी हमले का एक मुख्य प्लानर था, तथा उसके ऊपर, अमेरिकी नागरिक की हत्या व डेनमार्क में एक अखबार व उसके कर्मचारियों पर आक्रमण करने जैसे कई संगीन जुर्म को अंजाम देने के आरोप थे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। आतंकवादियों के लिए पाकिस्तान को एक सुरक्षित पनाहगाह बताने वाले कथानक को आगे बढ़ाते हुए, भारत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए- तैयबा के शीर्ष कमांडर साजिद मीर का मामला उठाया है। साजिद मीर को 2022 में लाहौर की एक आतंकवाद -रोधी अदालत में पेश किया गया था

ा और टैरर फण्डिंग के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, जो उस समय पाकिस्तान के अखबार ''डॉन'' में प्रकाशित हुई थी, ''उसकी गिरफ्तारी को मीडिया से छिपाकर रखा गया था और पाकिस्तान के अधिकारियों ने साजिद मीर को ''लापता या मृत'' बताया था और कभी -कभी तो उसके अस्तित्व को ही नकार दिया गया था।''

''ऑपरेशन सिंदूर'' के बाद हुई प्रेस वार्ता में, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा कि पाकिस्तान की यह कुख्याति बिल्कुल सही है कि

- अमेरिका ने साजिद मीर को बारे में पुख्ता जानकारी देने वाले को 5 मिलियन डालर का इनाम भी घोषित कर रखा था।
- 2022 में न्यायालय ने साजिद मीर, आतंकवादी गतिविधियों को फाइनैंस करने के आरोप सज़ा सुनायी थी, पर पाकिस्तान सरकार ने साजिद की गिरफ्तारी की बात छुपा कर रखी और फिर साजिद को लापता/मृत घोषित कर दिया था, पर, फिर अंतर्राष्ट्रीय दबाव में साजिद मीर को जीवित बताया गया, तथा उसे हिरासत में लिया गया।
- विदेश सचिव विक्रम मिश्री साजिद मीर के अजीबोगरीब केस का उदाहरण देकर, साबित कर रहे थे कि, पाकिस्तान आतंकवादियों को प्रश्रय ही नहीं देता, उनको बचाने के लिए, हरसंभव प्रयास भी करता है।

''पाकिस्तान दुनिया भर के आतंकवादियों के लिए ''एक सुरक्षित पनाहगाह'' है, जहाँ आतंकवादियों को सजा से छूट है।'' पहलगाम आतंकी हमलों पर बोलते हुए मिश्री ने कहा, ''इस हमले के लक्षण, पाकिस्तान द्वारा भारत में सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के लंबे इतिहास से मेल खाते हैं, जो अच्छी तरह से दस्तावेजों में दर्ज हैं और निर्विवाद है।'' उन्होंने आगे कहा, ''साजिद मीर का मामला, जिसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पाकिस्तान तनाव खत्म करने को तैयार है, अगर भारत कार्रवाही आगे न बढ़ाये'

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का यह प्रस्ताव भारत को मिला ज़रुर, पर भारत इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 7 मई। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पेशकश की है कि इस्लामाबाद भारत के साथ तनाव घटाने के लिए तैयार है, इस पर भारत की प्रतिक्रिया का इंतजार है क्योंकि परमाणु हथियार संपन्न दो देशों बीच युद्ध न केवल दोनों देशों के लिए, बल्कि विश्व के लिए भी आपदा साबित हो सकता है।

आसिफ की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब भारत की सेना ने पाकिस्तान व पाक अधिकृत कश्मीर के आतंकी अड्डों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत हमला किया है।

ब्लूमबर्ग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में आसिफ ने जोर दिया कि पाकिस्तान पहले हमला नहीं करेगा, पर अगर उकसाया गया तो जवाब देगा।

उन्होंने कहा, हम गत दो सप्ताह से कह रहे हैं कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कार्यवाही नहीं करेगा। लेकिन अगर हम पर हमला तो हम जवाब देंगे।

अगर भारत पीछे हटता है तो हम इस तनाव को घटाने के लिए तैयार हैं। आसिफ ने कहा कि दोनों देशों के बीच कूटनीति वार्ता की योजना की संभावना के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

भारत ने पाकिस्तान व पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के 9 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमला किया। पहलगाम अटैक के प्रतिकार स्वरूप किए गए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है तथा 20 घायल हुए हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने 22 अप्रैल के पहलगाम अटैक का हवाला देते हुए कहा, भारत ने जवाब देने और आगे ऐसे हमले रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है।

मिश्री ने कहा, हमारा एक्शन नपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मंत्रालयिक कर्मचारियों के आरक्षण की प्रक्रिया व परिणाम सही थे'

जयपुर, 7 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार व तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से मंत्रालयिक कर्मचारियों को दिए गए आरक्षण की प्रक्रिया व 17 दिसंबर 2024 के परिणाम को सही माना है।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि मंत्रालयिक कर्मचारियों को दोहरा आरक्षण नहीं दिया गया।

इसके साथ ही, अदालत ने इस प्रक्रिया व आरक्षण की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश मोहित सोनी व अन्य की याचिकाओं पर दिया। अदालत ने माना कि मंत्रालयिक कर्मचारियों को भर्ती में दोहरा आरक्षण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहली बार दो महिला अफसरों को प्रेस को ब्रीफ करने की जिम्मेवारी सौंपी गई

कर्नल सोफिया कुरैशी सेना की सिग्नल कोर की अफसर हैं, तथा विंग कमाण्डर व्योमिका सिंह एयरफोर्स की हेलिकॉप्टर यूनिट की अनुभवी ऑफिसर हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। भारत की आतंक- विरोधी क्षमताओं की उल्लेखनीय प्रचंडता के अन्तर्गत, भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने एक समन्वित एवं सख्त मिलिट्री स्ट्राइक ''ऑपरेशन सिन्दूर'' को अंजाम दिया। ऑपरेशन के निशाने पर पाकिस्तान के काफी अन्दर स्थित नौ स्थान रहे।

बुधवार को बहुत जल्दी किये गये इस ऑपरेशन के निशाने पर वे आतंकी इन्फ्रास्ट्रक्चर थे, जिन्हें, कथित रुप से, पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियों का सक्रिय सहयोग प्राप्त है। यह मिशन केवल सैन्य रणनीति के मामले में ही नहीं, बल्कि इस मामले में

- दोनों महिला अफसरों ने बखूबी प्रेस को ऑपरेशन सिन्दूर की पूरी जानकारी दी, तथा भारतीय सेना में महिलाओं की भूमिका का उचित उदाहरण दिया।

भी मील का पत्थर रहा कि इसे राष्ट्र और विश्व के समक्ष किस प्रकार प्रस्तुत किया गया।

यह पहला अवसर था, जब सैन्य अलंकरणों से संभावित दो महिला अधिकारियों - भारतीय सेना के सिग्नल्स कॉर्प्स की कर्नल सोफिया कुरैशी, तथा भारतीय वायुसेना की विंग कमान्डर व्योमिका सिंह -को रक्षा मंत्रालय की मीडिया ब्रीफिंग के नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई। परम्परागत रुप से, वरिष्ठ पुरुष अधिकारी या डयारेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) ही इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते आये हैं।

इनकी विस्तृत डी ब्रीफिंग से भारतीय रक्षा -तंत्र में महिलाओं के नेतृत्व की बढ़ती हुई भूमिका तथा मिशन की ऑपरेशनल कामयाबी -दोनों ही चीजें रेखांकित हुई हैं।

कर्नल कुरैशी, जो अन्तर्राष्ट्रीय मिशनों तथा संयुक्त एक्सरसाइज का अनुभव रखने वाली तथा युद्ध की विभीषिका से सुपरिचित अधिकारी हैं, ने पीओके तथा पाकिस्तान के काफी अन्दर के हिस्से के चिन्हित आतंकी कैम्पों पर सेना की सुस्पष्ट स्ट्राइकों का ब्यौरा दिया। कर्नल कुरैशी ने कहा, ''हमारा उद्देश्य उन बैकअप और फॉरवर्ड प्रशिक्षण शिविरों का निष्क्रिय करना था जिनका इस्तेमाल अन्तर्राष्ट्रीय रुप से तय शुदा आतंकी संगठन करते हैं। हमने अपने रणनैतिक लक्ष्य बिना अपने किसी नुकसान के हासिल कर लिये।''

विंग कमांडर व्योमिका सिंह, जो भारत के पहले ऑपरेशनल हेलिकॉप्टर पायलटों में से एक हैं तथा जिन्हें विभिन्न ऑपरेशनों का व्यापक अनुभव है, ने उनका सहयोग करते हुये हवाई बिन्दुओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर स्ट्राइक में मसूद अज़हर के दस परिजन मारे गए

नयी दिल्ली, 07 मई। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के बहावलपुर सुभानअल्लाह परिसर में किये गये हमलों में कुख्यात आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद

- सूत्रों ने बताया कि सुभान अल्लाह परिसर में हुई स्ट्राइक में जैश ए मोहम्मद के प्रमुख, मसूद अजहर के 10 परिजनों के अलावा चार प्रमुख सहयोगी भी मारे गए हैं।

अजहर के परिवार के 10 सदस्य और उसके चार करीबी सहयोगी मारे गये हैं।

आतंकवादी समूह ने इस परिसर का इस्तेमाल शरणस्थली के रूप में किया था। मारे गए लोगों में मसूद अजहर की बड़ी बहन और बहनोई, उसका भतीजा और उसकी पत्नी शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत को ''छवि युद्ध'' जीतने के लिए अभी काफी कुछ करना होगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

इज़रायल ही अकेला देश नज़र आ रहा है, जो पूर्णतया भारत के पक्ष में स्पष्ट बोल रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। पाकिस्तान के क्षेत्र में, खासकर पंजाब क्षेत्र में, गहरे हमलों के बारे में वर्तमान, जो उत्साह है, उसके बीच, भारत को यह अच्छी तरह से समझना चाहिए कि विश्व स्तर पर इस वर्तमान स्थिति को कैसे प्रस्तुत किया जा रहा है तथा इसे लेकर विश्व में क्या प्रतिक्रिया है।

हालांकि, यह बात बहुत अप्रिय है और वर्तमान भारतीय भावनाओं के खिलाफ है, लेकिन यह भी अति आवश्यक है कि भारत इस बदलती हुई स्थिति के प्रैजेन्टेशन का ध्यान रखे, ताकि भारत के दृष्टिकोण को सही तरीके से प्रस्तुत किया जा सके।

अधिकतर प्रमुख समाचार एजेंसियाँ और संगठन एक ऐसा चित्र प्रस्तुत कर रहे हैं, जो भारत को अच्छा नही लगेगा। अब वो समय है, जब भारत को इस प्रकार की प्रस्तुतियों का मुकाबला करने के लिए एक रणनीति अपनानी चाहिए।

इन प्रतिक्रियाओं और घटनाक्रम की प्रस्तुति की समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के साथ और अधिक संवाद करने और उसे संभालने की आवश्यकता है। मीडिया ने अधिकांशतः पाकिस्तान के दृष्टिकोण से इस घटना को प्रस्तुत किया है, जिसमें नागरिकों की हानि का उल्लेख है।

वैश्विक स्तर पर, पाकिस्तान की तरफ से किए जाने वाले उकसावे को छुपाया जा रहा है और कहा जा रहा है कि भारत को, पाकिस्तान में किए गए हमले को न्यायसंगत ठहराना होगा। यह भारत के लिए अनुकूल नहीं है।

लंदन की मैगज़ीन, इकॉनामिस्ट, जो पश्चिम में काफी प्रतिष्ठित है, ने हमेशा की तरह यह रूख अपनाया है कि भारत को हमला करने पहले यह साबित करना होगा कि पाकिस्तान, भारत में हुए आतंकवादी हमले में शामिल था।

सी.एन.एन. इंटरनेशनल न्यूज़, सीमा पार पाकिस्तानी साइड से

- इज़रायल ने भारतीय उपमहादीप पर प्रस्तुत घटनाक्रम के बारे में कहा, ''भारत को सैल्फ डिफैन्स'' में उचित उत्तर देने का पूर्ण अधिकार है।
- अमेरिका के राष्ट्रपति ने गोल-मोल सी प्रतिक्रिया दी और कहा कि भारतीय आक्रमण एक ''शर्मनाक'' बात है। इस वक्तव्य से स्पष्ट नहीं होता, कि किस देश की भूमिका ''शर्मनाक'' है।
- अधिकांश देश, भारत के ''सैल्फ डिफैन्स'' में कार्यवाही करने के अधिकार की अनदेखी कर, संयम बरतने की बात कर रहे हैं।
- लंदन से प्रकाशित जानी-मानी प्रतिष्ठित पत्रिका द इकॉनामिस्ट बार-बार दोहरा रही है, कि भारत को यह स्थापित करना पड़ेगा कि पाकिस्तान की सरकार की आतंकवादी आक्रमण में भूमिका है।
- सी.एन.एन. इंटरनेशनल न्यूज़, इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान का पक्ष प्रस्तुत करने में लगा हैं। वो भारत द्वारा ''सिविलियन ढांचो'' को नष्ट करने व इस ऑपरेशन में ''सिविलियन लोगों के मारे जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बता रहा है, पर, इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि ये सिविलियन ढांचे आतंकवादियों के केन्द्र (हब) थे।

घटनाक्रम की रिर्पोटिंग कर रहा है और नागरिक संरचनाओं पर हमले और नागरिक जीवन की हानि को प्रमुखता से दिखा रहा है, जिन संरचनाओं के पीछे आतंकवादी ढि काने छिपे हुए थे।

चीन का ग्लोबल टाइम्स, जो चीन की सरकार का मुखपत्र है, तो इतना आगे बढ़ गया कि बीज़िंग में भारतीय दूतावास को एक कड़ी प्रतिक्रिया देनी पड़ी। भारतीय दूतावास ने कहा, ग्लोबल टाइम्स भारत के खिलाफ मिथ्या प्रचार कर रहा है क्योंकि चीन, पाकिस्तान का मित्र है।

यदि कोई देश भारत के पक्ष में स्पष्ट रुप से खड़ा हुआ है तो वह इज़रायल है। इज़रायल ने कहा है कि भारत को आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया करने का अधिकार है। इज़रायल पर हमास के हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी का जवाब इस मामले में अच्छा साबित हुआ है।

फिर विभिन्न देशों के नेताओं की प्रतिक्रियाएँ भी मिली-जुली रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय हमले को ''लज्जाजनक'' बताया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि किस पक्ष के लिए यह लज्जाजनक था। यह कुछ अस्पष्ट है, हालांकि, अमेरिका ने इज़रायल द्वारा हमास पर किए गए हमलों पर एक स्पष्ट और न्यायसंगत रुख अपनाया था।

भारत के, आत्मरक्षा में प्रतिक्रिया करने के अधिकार को अधिकांश देशों ने नज़रअंदाज़ किया है, और संयम की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख ने भारत और पाकिस्तान से संयम रखने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

18 एयर पोर्ट्स पर दस मई तक सिविल उड़ानें बंद

नयी दिल्ली, 07 मई। देश के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में 18 हवाई अड्डों पर सिविल उड़ानों को 10 मई तक रोक दिया गया है। भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के कुछ घंटों बाद, बुधवार तड़के अचानक सिविल उड़ानों को बंद

- इन 18 एयर पोर्ट्स में, राजस्थान के तीन हवाई अड्डे जोधपुर, जैसलमेर तथा बीकानेर शामिल हैं।

करने के निर्देश दिए गए।

सूत्रों के अनुसार, जिन हवाई अड्डों पर सिविल उड़ानों को बंद किया गया है, उन हवाई अड्डों की सूची में लेह, थोइस, श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, ग्वालियर, जैसलमेर, बीकानेर, जामनगर, भटिंडा, भुज, धर्मशाला, शिमला, राजकोट और पोरबंदर शामिल हैं।

सूत्रों के अनुसार, उड़ानें रोकने के लिए नोटिस टू एयरमैन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)